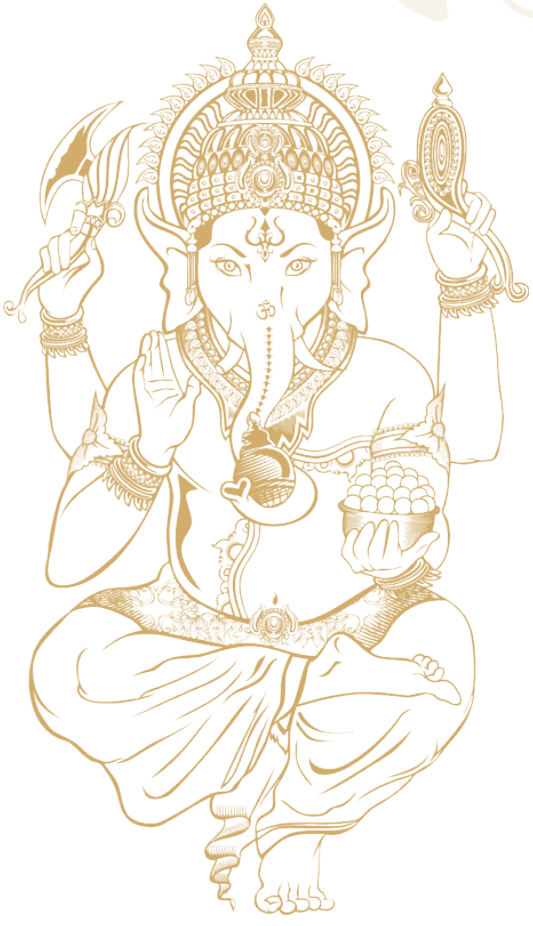

Rahul

21 Feb 1998

02:10 PM

Ratangarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121223109

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/02/1998**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**14:10:00 घंटे**
इष्ट	17:41:15 घटी
स्थान	**Ratangarh**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:55:00 उत्तर
रेखांश	74:36:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:38:24 घंटे
वेलान्तर	-00:13:42 घंटे
साम्पातिक काल	23:42:41 घंटे
सूर्योदय	07:05:29 घंटे
सूर्यास्त	18:25:24 घंटे
दिनमान	11:19:55 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	08:40:49 कुम्भ
लग्न के अंश	14:44:54 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	वज्र
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	यू-युवराज
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	14:44:54	319:37:32	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	---
सूर्य			कुंभ	08:40:49	01:00:28	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	28:38:38	12:56:51	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	नीच राशि
मंगल			कुंभ	27:21:34	00:46:52	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
बुध		अ	कुंभ	07:51:39	01:49:35	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
गुरु		अ	कुंभ	10:13:07	00:14:27	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
शुक्र			धनु	28:56:22	00:30:58	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	सम राशि
शनि			मीन	23:27:24	00:06:07	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	सम राशि
राहु	व		सिंह	16:44:58	00:00:27	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	16:44:58	00:00:27	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	16:13:28	00:03:19	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप			मक	07:00:18	00:02:01	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
प्लूटो			वृश्चि	14:08:27	00:00:37	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			मीन	01:26:49	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:47

लग्न-चलित

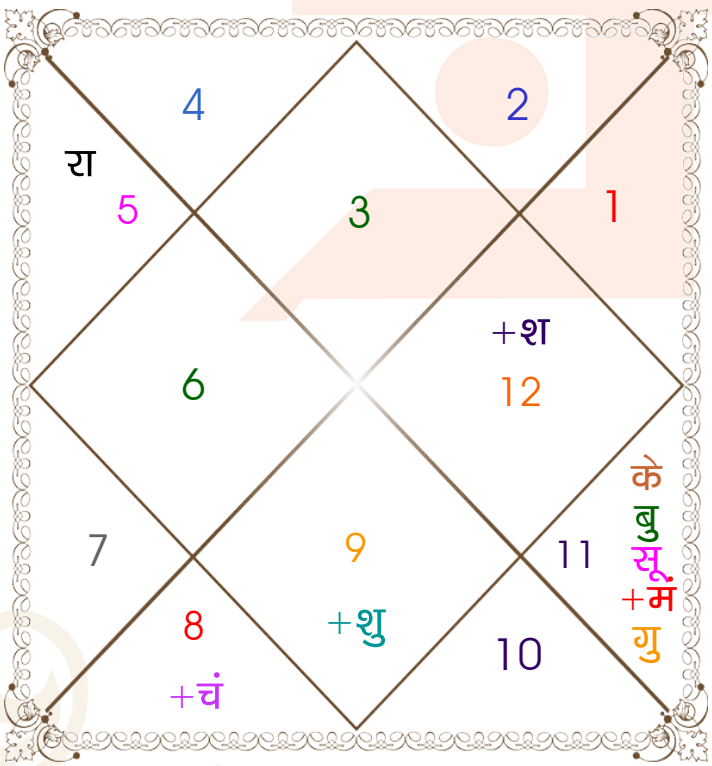

चन्द्र कुंडली

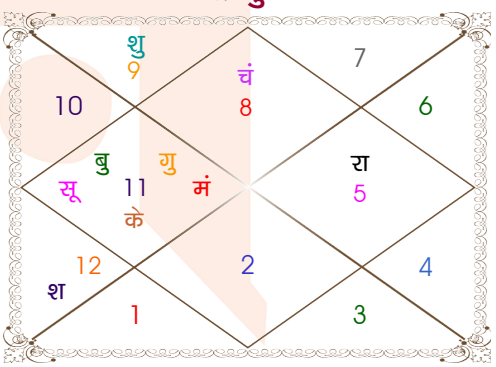

नवमांश कुंडली

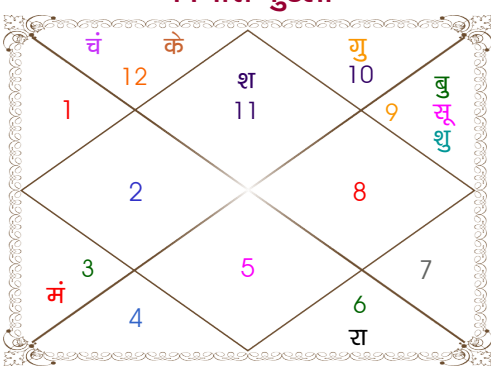

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 1 वर्ष 8 मास 22 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
21/02/1998		15/11/1999		14/11/2006		14/11/2026		14/11/2032	
15/11/1999		14/11/2006		14/11/2026		14/11/2032		14/11/2042	
00/00/0000	केतु	12/04/2000	शुक्र	16/03/2010	सूर्य	04/03/2027	चंद्र	14/09/2033
00/00/0000	शुक्र	12/06/2001	सूर्य	16/03/2011	चंद्र	03/09/2027	मंगल	15/04/2034
00/00/0000	सूर्य	18/10/2001	चंद्र	14/11/2012	मंगल	08/01/2028	राहु	15/10/2035
00/00/0000	चंद्र	19/05/2002	मंगल	14/01/2014	राहु	02/12/2028	गुरु	13/02/2037
00/00/0000	मंगल	15/10/2002	राहु	14/01/2017	गुरु	20/09/2029	शनि	14/09/2038
00/00/0000	राहु	02/11/2003	गुरु	15/09/2019	शनि	02/09/2030	बुध	14/02/2040
00/00/0000	गुरु	08/10/2004	शनि	14/11/2022	बुध	10/07/2031	केतु	14/09/2040
21/02/1998	शनि	17/11/2005	बुध	14/09/2025	केतु	15/11/2031	शुक्र	16/05/2042
शनि 15/11/1999	बुध	14/11/2006	केतु	14/11/2026	शुक्र	14/11/2032	सूर्य	14/11/2042

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
14/11/2042		14/11/2049		15/11/2067		15/11/2083		15/11/2102	
14/11/2049		15/11/2067		15/11/2083		15/11/2102		22/02/2118	
मंगल	12/04/2043	राहु	27/07/2052	गुरु	02/01/2070	शनि	17/11/2086	बुध	13/04/2105
राहु	30/04/2044	गुरु	21/12/2054	शनि	15/07/2072	बुध	27/07/2089	केतु	10/04/2106
गुरु	06/04/2045	शनि	27/10/2057	बुध	21/10/2074	केतु	05/09/2090	शुक्र	08/02/2109
शनि	16/05/2046	बुध	15/05/2060	केतु	27/09/2075	शुक्र	05/11/2093	सूर्य	15/12/2109
बुध	13/05/2047	केतु	03/06/2061	शुक्र	28/05/2078	सूर्य	18/10/2094	चंद्र	17/05/2111
केतु	09/10/2047	शुक्र	02/06/2064	सूर्य	16/03/2079	चंद्र	18/05/2096	मंगल	13/05/2112
शुक्र	08/12/2048	सूर्य	27/04/2065	चंद्र	15/07/2080	मंगल	27/06/2097	राहु	01/12/2114
सूर्य	15/04/2049	चंद्र	27/10/2066	मंगल	21/06/2081	राहु	04/05/2100	गुरु	07/03/2117
चंद्र	14/11/2049	मंगल	15/11/2067	राहु	15/11/2083	गुरु	15/11/2102	शनि	22/02/2118

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 1 वर्ष 8 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।